Report of the Webinar on 19th June 2020

हिंदी को अंग्रेजियत से मुक्त किया जाए

- प्रोफेसर मिज़ोकामी

प्रस्तुत विचार जापान के सुप्रसिद्ध हिंदी विद्वान पद्मश्री डॉ तोमियो मिज़ोकामी ने एक अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार- हिंदी का वैश्विक परिदृश्य- में व्यक्त किए। प्रोफेसर मिज़ोकामी ने कहा कि जापान में हिंदी और हिंदुस्तानी संस्कृति का प्रचार-प्रसार बहुत पहले से रहा है और यही कारण है कि दोनों देश हमेशा ही अच्छे मित्र रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन हिंदी विभाग मणिबेन नानावती महिला महाविद्यालय और ग्लोबल हिंदी फाउंडेशन सिंगापुर ने एसएनडीटी महिला महाविद्यालय मुंबई एवं श्री मल्लिकार्जुन महाविद्यालय गोवा के संयुक्त तत्वावधान में 19 जून 2020 को किया। इसमें जापान, सिंगापुर, रूस तथा भारत के अनेक भागों से हिंदी साहित्यकारों, विद्वानों, छात्रों तथा लेखकों ने सक्रिय रूप से प्रतिभागिता की।

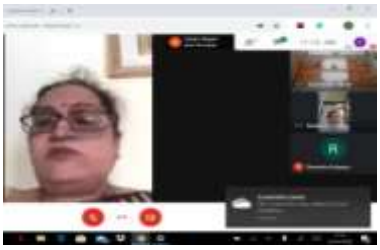

वेबिनार का उद्घाटन किया एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय की कुलगुरु प्रोफेसर शशि कला बंजारी ने। उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय वेबिनार के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा- विश्व में हिंदी का परिदृश्य इतना बड़ा हो चुका है कि उस पर हर भारतीय को गर्व होता है।

संगोष्ठी में ग्लोबल हिंदी फाउंडेशन की संस्थापक और सीईओ ममता मंडल ने कहा कि आज विश्व में हिंदी के लिए लोगों में सम्मान बढ़ा है और हिंदी और भारत से लोग अधिक से अधिक जुड़ना चाह रहे हैं। इस अवसर पर श्री जवाहर कर्णावट ने विश्व में हिंदी पत्रकारिता को रेखांकित करते हुए 115 से अधिक देशों की हिंदी पत्रकारिता की परंपरा पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। रूस से मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर मक्सीम देमचेंको

उर्फ रामचंद्र ने रूस में हिंदी की स्थिति पर बोलते हुए कहा- यहां पर हिंदी पढ़ने पढ़ाने वाले लोगों की एक बहुत बड़ी संख्या है। हिंदी तथा रूसी भाषाओं में परस्पर अनुवाद का प्रचलन हमेशा से रहा है और दोनों देशों में साहित्यिक आदान-प्रदान के कारण बहुत समय से इनके संबंध अच्छे रहे हैं।

संजीव निगम जी ने कारपोरेट जगत और बैंकिंग क्षेत्र में हिंदी के विस्तार एवं प्रसार का पर सार्थक बातें बताईं। आज कारपोरेट जगत हिंदी से जुड़ने लगा है क्योंकि उसका व्यापार हिंदी भाषी क्षेत्रों और लोगों तक पहुंचना है क्योंकि उसे वो दरकिनार नहीं कर सकते। हिंदी के प्रसिद्ध कथाकार एवं पत्रकार हरीश पाठक ने वर्तमान समय में हिंदी पत्रकारिता के बहुआयामी स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक पत्रकारिता नए मानदंडों के अनुसार अपना रूप बदल रही है और पत्रकारिता आम आदमी का लोकतंत्र बनकर उभरी है क्योंकि तकनीक के माध्यम से हर व्यक्ति पत्रकार की भूमिका अदा कर सकता है। विश्व हिंदी अकादमी के अध्यक्ष श्री केशव राय जी ने मीडिया में हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मीडिया के विविध स्वरूपों में हिंदी ने जिस तरह से अपनी पैठ बनाई है वह महत्वपूर्ण है और मीडिया में हिंदी का प्रचार और अधिक बढ़ने वाला है।

जापान के टोक्यो यूनिवर्सिटी आफ फॉरेन स्टडीज में विजिटिंग प्रोफेसर डॉ श्याम सुंदर पांडे ने जापान के हिंदी विद्वानों के बारे में बताया कि किस तरह सौ से अधिक सालों से जापान में हिंदी पढ़ने और पढ़ाने की जो परंपरा रही है उसमें हिंदी के जापानी विद्वानों का बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस कार्यक्रम में तीनों महाविद्यालयों के प्राचार्य डॉ राजश्री त्रिवेदी, डॉ राजेंद्र गुरव तथा डॉ मनोज कामत ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संयोजन और संचालन डॉ रवीन्द्र कात्यायन, डॉ वंदना शर्मा तथा डॉ रूपा चारी ने किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए लॉकडाउन के रचनात्मक अनुभव विषय पर आयोजित लेखन कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं की श्रेष्ठ रचनाकारों को रेखांकित भी किया गया।